DR P.K. Singh. Guest Teacher.
Deptt of History. Sem VI
core - 14
Adarsh college Rajdhanwar.

1 कमाल पाशा के छः सिद्धान्तों का वर्णन करें।

आधुनिक तुर्की का जनक मुस्तफा कमाल पाशा को माना जाता है उनके आगमन पूर्व तुर्की को यूरोप का ~~मरीज~~ मरीज के नाम से जाना जाता था। कमाल पाशा ने अपने छः सिद्धान्तों के द्वारा तुर्की को जर्जर अवस्था से उपर उठा कर एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में परिवर्तित कर दिया। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद सेव्रे की सन्धि में तुर्की पर अपमानजनक शर्त लाद दिया जिसको कमाल ने नहीं माना परन्तु सुल्तान ने मान लिया तब कमाल ने तुर्की में एक क्रान्तिकारी दल का गठन किया तथा अंकारा ~~तुर्की~~ में बैठक कर तुर्की के सुधार के लिए छः सिद्धान्त ~~छः~~ अपनाए गये जो कमाल पाशा के छः सिद्धान्त के नाम से जाना जाता है। वे निम्न लिखित है।

1 – गणतंत्रवाद - कमाल पाशा का पहला सिद्धान्त था ~~तुर्की में~~ गणतंत्रवाद वह तुर्की में गणराज्य की स्थापना करना चाहता था। तुर्की में नया संविधान बनाया। संविधान के अनुसार शासन की शक्ति जनता में निहित होगी और जनता के इच्छानुसार शासन होगा। देश के राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष जनता द्वारा निर्वाचित होंगे। इस प्रकार कमाल पाशा ने तुर्की में प्रजातांत्रिक शासन पद्धति की नींव डाली

2 – राष्ट्रवाद - कमाल का दूसरा सिद्धान्त था राष्ट्रवाद क्यों कि बगैर राष्ट्रीयता के भावना जागृत किये तुर्की को विकास के पथ पर आगे नहीं ले जाया सकता है। अतः

तुर्की के लोगों में राष्ट्रीयता की भावना जगाने के लिए पश्चिमी देशों का नकल किया। तुर्की अभी तक एशिया और अरब के पुरानी सभ्यता में ही रहा था। इस पुरानी वातावरण से बाहर निकालने के लिए निम्न लिखित सुधार किये।

A- शिक्षा में सुधार - तुर्की में आधुनिक शिक्षा का प्रसार किया। नये स्कूल को खोलकर सात से सोलह वर्ष के बच्चे को स्कूल जाना अनिवार्य कर दिया। विदेशों से विद्वान शिक्षक बुलाए जाने लगे। तुर्की में मेडिकल कालेज की स्थापना की गई।

B- भाषा और लिपि में सुधार- अभी तक तुर्की के लोग अरबी लिपि का प्रयोग करते थे। अब एक कानून के द्वारा सभी जगह रोमन लिपि लागू की गई। सरकारी नौकरी के लिए रोमन लिपि अनिवार्य कर दिया गया। धीरे 2 तुर्की साहित्य में प्रगति होने लगी। और रोमन लिपि में अनेक ग्रन्थ लिखे गये।

C- पुरानी उपाधियों का अन्त- तुर्की में पुरानी उपाधी का अन्त कर दिया गया क्यों कि यह अभी भी राष्ट्रीयता के विकास में बाधक था। कमाल ने स्वंय मुस्तफा की उपाधि त्यागकर अता तुर्के उपनाम रखा।

D- शहरो के नाम में परिवर्तन - राष्ट्रीयता के विकास के लिए शहरों के प्राचीन नामों का बदलकर नया नाम दिया। कुस्तुनतुनिया का नाम बदलकर इस्ताम्बुल, अंगोरा का नाम बदलकर अंकारा रखा। नवीन नामकरण से तुर्की के जनता पर पश्चिमी रंग छाने लगा।

E महिलाओं की स्थिति में सुधार - तुर्की में महिलाओं

की दशा हीन थी उन्हे कोई राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं था। उन्हे ऊंचा उठाने के मताधिकार प्रदान किया। कमाल पाशा के जीवन काल में 17 महिलायें राष्ट्रीय सभा की सदस्य थी।

F पोशाक मे सुधार - कमाल ने 1925 में एक कानून बनाकर फेज टोपी और बुरके का इस्तेमाल बन्द कर दिया। अब सबके के लिए ~~ब~~ छज्जेदार टोप ~~प~~ पहनना अनिवार्य कर दिया। सभी लोग कोट पतलुन पहने तथा टाई का प्रयोग करें।

3- न्याय व्यवस्था - कमाल ने कानुन के द्वारा ~~ह~~ तुर्की मे प्रचलित न्याय व्यवस्था को अन्त कर दिया। सुल्तान और खलीफा के पद को हटा दिया। इस्लाम को राजधर्म नहीं रहने दिया। उसने स्वीटजरलैंड के दीवानी कानुन, जर्मनी के फौजदारी कानुन इटली के दण्ड विधान कानुन को लागु किया।

4- धर्मनिरपेक्षतावाद:- धर्म के मामले में वह यूरोप का नकल करना चाहता था। ~~कि~~ यूरोप की उन्नति का मूल कारण धर्म को राजनीति से अलग रखना है। तुर्की का खलीफा सम्राट के मुसलमानो का धर्म गुरु माना जाता ~~है~~था। 1924 मे तुर्की के संसद ने खलीफा के पद को सदा के लिए समाप्त कर तुर्की को धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित किया।

5- अर्थवाद कमाल अतातुर्क ने तुर्की के आर्थिक दशा सुधारने के लिए ~~पंच वर्षिय~~ पंच वर्षिय योजना लागु किया। ~~प~~परिणामतः सड़के बनी कारखाना का विकास हुआ रेलवे एव व्यापार में उन्नति हुई। तुर्की ने अमेरिका ब्रिटेन

इटली से व्यापारिक सन्धि किया

6- क्रान्तिवाद - कमाल पाशा का छठा सिद्धान्त था क्रान्तिवाद उसका मानना था कि क्रान्ति के बिना तुर्की का विकास नहीं हो सकता है। इसलिए उसने वहां की जनता को क्रान्तिकारी बनाने का प्रयत्न किया जिसमें उसे काफी सफलता मिली

DR. P. K. Singh Guest Teacher
Deptt of History. Sem VI ©
Adarsh College Rajdhanwar Core-14

वस्तुनिष्ठ :-

1- युरोप का बिमार राज्य कहा जाता था?
A- तुर्की B- प्रशा C- इटली
2- युवा तुर्क आन्दोलन के कारण किस शासन का अन्त हुआ
A- अब्दुल हमीद प्रथम B- अब्दुल हमीद द्वितीय
C- अब्दुल हमीद तृतीय
3- पामी तुरानिज्म का क्या है?
A- वृहद इस्लाम वाद B- वृहद तुर्कवाद C- वृहद राष्ट्रवाद
4- सिरिया फिलस्तिन व मेसोपोटामियां को किस सन्धि मे स्वतंत्रता मिली
A- सेव्रे की सन्धि, B पेरिस की सन्धि C- लोसान की सन्धि
5- सेव्रे की सन्धि हुई थी-
A 10 June 1920 B- 10 July 1920 C- 10 August 1920.
6- आधुनिक तुर्की का जनक था?
A- इनवर पाशा B- मिधात पाशा C- कमाल पाशा
7- तुर्की तुर्की वालो के लिए नारा किसने दिया-
A- कमाल पाशा B- अब्दुल हमीद प्रथम C- अब्दुल हमीद द्वितीय
8- कमाल वाद के 6. सिद्धान्तो मे कौन नही था.
A- धर्मनिरपेक्षवाद B- गणतन्त्रवाद C- राष्ट्रवाद
9- राजा फैजल किस देश के थे?
A- ईरान B- इराक C- सीरिया
10- कब रजा शाह कब ईरान की गद्दी पर बैठा
A- 20 April 1925, B- 20 April 1926, C- 25 April 1926
11- कब तेहरान मे विश्वविद्यालय बना
A- 1934. B 1935, C- 1936.

Ans- 1- A, 2- B, 3- B, 4- A, 5- C, 6- C, 7- A
8- A, 9- B, 10- C, 11- A.